कानुत्रता Niris. Kav. d. पर्ता st. गमनं Kav. Pras., वसती st. गमनं und ब्राज्ञास्पदं st. ब्राज्ञाफलम् Niris.; किं राज्यम् st. राज्यं किं Pras. — Buartr. 2,102 lith. Ausg. III. b. समय.

756. Lies beherzten st. verständigen.

757. = Prasañgább. 9, b. a. च्हाया st. कन्या. b. विश्वातिः st. नैश्चित्यं, स्मशाने. c. d. मित्रामित्रसमानकतातिविर्तश्चिताच्यश्रून्यालये धस्ताशेषतमःप्रमाद्मुदितो योगी परं तिष्ठतिः

771. Çатакâv. 61. а. सधूभङ्गिः. с. а. वद्नकमले नेत्रवलितैः स्पुरछोलालीना प्र॰ इव दिशः.

772. Çатакâv. 80. d. Umgestellt: गणयति न.

774. ÇATAKÂV. 13. b. रृति st. जन:.

779. BHARTR. 3, 48 lith. Ausg. III. a. भूला त्रणत्रणमपि.

780. Vgl. PRAB. 49, 10 und Spruch 5130.

783. = KAVITÂMŖTAK. 50. a. तिति ; कोषो st. क्रोधो. c. सपैं: किं परि दुर्जन: Внактр. 2, 20 lith. Ausg. III. a. शांतिश् st. कालिश् Vgl. Spruch 4170.

799. = Kîn. 82 bei Weber. Мана̂n. 409. a. डुर्वृत्तं st. डुर्वृत्तिं (wie die ed. Calc. des Hir. liest) Beide. b. पालं st. नूनं Ка̂n. c. ऽङ्ग्त् und ङ्ग्त् Ка̂n. d. च st. म्यान् Ка̂n., मङ्गद्धी Мана̂n.

801. Внактв. 3, 6 lith. Ausg. III. d. परमता.

802. BHARTE. 2,89 lith. Ausg. III. d. तत्रापदा (sic) भाजनम्.

809. = Kan. 39 bei Weben. d. क्तयज्ञमद्तिणम्

814. ÇATAKÂV. 37. b. प्रभुर्भूत् st. प्रभवति. c. जरुठ st. जठर. d. व्यमिनिनि मुधैव रत्नपयमि.

818. = Уворна-Кам. 13,2. с. а. वर्तमानेन कालेन प्रवर्तने विचत्रणाः

830. = Prasangaben. 14, b. a. गाढालिंगितवामनीकृतकुचतराप्रीहिन्नरामाहमा (sic). b. विगलत्काचीप्रदेशांवरा. c. वा मा st. मा मा; मानितामलमितः द्वामानरालापिनी. d. न किं st. des ersten नु किं.

831. = Prasañgabr. 17, a. a. गात्रं मंकुलितं, रंतावलित्. b. दृष्टि (sic) अश्यति द्वपमेव रुरते वक्तं. c. वाक्यं नैव कराति बांधवजनः पत्नी च न श्रूपते. d. का कष्टं जर्याभिभूत-पुरुषं पुत्रो प्यवज्ञायते. Виактя. 3,71 lith. Ausg. III. a. रंतावलित्.

841. = Рильяй бави. 14, а. а. गुण: सङ्झन °. с. पुष्पसंघानुषं गेण.

831. Die erste Zeile würde ich ühersetzen: Im Munde der Guten werden Fehler zu Tugenden (die Guten entschuldigen die Fehler Anderer); im Munde der Bösen werden Tugenden zu Fehlern. Schütz.

861. = Уврана-Кал. 16, 6. а. в. गुणै हत्तमता याति (auch याति) नाचिरामनसं स्थिताः.